

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद (अजमेर)

वीठासीन अधिकारी :- राकेश कुमार गुप्ता (आर. ए. एस.)
राजस्व प्रकरण संख्या :- 149/2019

उनवान

1. मंदिर श्री पारसनाथ जी मुन्दराजे जैन समाज जरिये सेवार्थीगण
 - 1/1. महेन्द्र पुत्र मोहनलाल
 - 1/2. हुकमचन्द पुत्र हीरालाल जाति महाजन नि० देराटू, नसीराबाद
- वादीगण :- जरिये अधिवक्ता श्री सीताराम रावत

बनाम

1. रामा पुत्र वीजा जाति नायक
2. सांवरा पुत्र सुवा कुम्हार
3. पेमा पुत्र राधाकिशन, जाट (तर्क)
4. सोहन पुत्र देवीलाल नायक नि० देराटू, नसीराबाद
5. सरपंच ग्राम पंचायत देराटू
6. राज० सरकार जरिये तहसीलदार नसीराबाद

-- प्रतिवादीगण :- 1,2,4 जरिये अधिवक्ता श्री आशीष अजमेरा
5 जरिये अधिवक्ता श्री नरेन्द्र सिंह राठीड
6. जरिये राज० पैरोकार

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 व 136 नृ राजस्व अधिनियम 1956

-: निर्णय :-

दिनांक :- 14.3.22

प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है वादीगण ने उक्त वाद पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया कि ग्राम देराटू में स्थित भूमि मंदिर श्री पारसनाथ मुन्दराजे के खैवट नम्बर 464 के खाते में दर्ज है का वर्णन सनफसली 1315 व चौसाला जमाबंदी व वर्किंग जमाबंदी के अनुसार वर्णन निम्न प्रकार है :-

सनफसली खसरा न०	रकबा	चौसाला ख०न०	रकबा	वर्किंग ख. न.	रकबा	हाल ख०न०	रकबा
1011	3-15-0	1029	3-15-0	1006	3-15-0	1781मि.	0.69
						1780	0.01
1172	0-6-10	1188	0-6-10	1163	0-6-10	1782	0.01
						1783	0.04
1173	1-6-0	1189	1-2-0	1162	1-5-0	1784	0.20
				1159	0-1-0	1825	0.02
		1190	0-4-0	1162मि.	0-4-0	1784	0.20

उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद (अजमेर)

उपरोक्त आराजी सन फसली 1315 के खेवट खाता नम्बर 464 के खसरा नम्बर 1011 रकबा 3-15-0 व 1173 रकबा 1-6-10 व 1172 रकबा 0-6-10 में मंदिर पारसनाथ के नाम दर्ज है। उक्त आराजी पर कब्जा मंदिर का ही है तथा वादीगण बतौर पूजारी सेवा करते आ रहे हैं। किन्तु हाल राजस्व अभिलेख में आराजी मुतनाजा त्रुटिपूर्ण तरीके से प्रतिवादी संख्या 5 के नाम आवादी अंकित कर दी है। जिस कारण प्रतिवादी संख्या 1 से 4 उक्त आराजी पर अतिक्रमण करने पर आमा है तथा राजस्व अभिलेख में गलत इन्द्राज के कारण प्रतिवादी संख्या 1 से 5 उक्त आराजी पर वादीगण के कब्जे काश्त में दखलदांजी कर रहे हैं। अतः हाल खसरा नम्बर 1781 रकबा 0.86, 1780 रकबा 0.01, 1825 रकबा 0.02, 1782 रकबा 0.01, 1783 रकबा 0.19, 1784 रकबा 0.20 का खातेदार वादीगण को घोषित किया जावे। प्रतिवादीगण को जरियें स्थायी निषेधाज्ञा पाबंद किया जावे।

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरियें नोटिस तलब किया गया प्रतिवादी संख्या 1, 2, 4 व 5 के अधिवक्तागण ने जवाब पेश कर निवेदन किया कि वादग्रस्त आराजी मंदिर पारसनाथ की है। वर्तमान रेकार्ड में गलती से आवादी अंकित हो गयी है जिसे दुरुस्त किये जाने पर प्रतिवादीगण को कोई एतराज नहीं है। वाद विचारण के दौरान प्रतिवादी संख्या 3 का नाम तर्क किया गया।

प्रकरण में वाद पत्र का खण्डन नहीं होने से तनकियात कायम नहीं की गयी। वादीगण व प्रतिवादीगण ने जाहिर किया कि वे प्रकरण में साक्ष्य पेश नहीं करना चाहते हैं। बहस उभयपक्ष सुनी गयी।

पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता वादी व राज० पैरोकार की बहस पर मनन किया। सन फसली 1315 में साबिक खसरा नम्बर 1011, 1172 व 1173 की आराजी मंदिर पारसनाथ के नाम दर्ज है। चौसाला जमाबंदी, बंकिंग जमाबंदी तथा हाल राजस्व अभिलेख में उक्त आराजी सिवायचक खाते में दर्ज कर दी गयी। हाल खसरा नम्बर 1780, 1781 1784 की किस्म आवादी, खसरा नम्बर 1782 किस्म गै०मु० बेरी, खसरा नम्बर 1783 किस्म गै०मु० रास्ता तथा खसरा नम्बर 1825/7442 किस्म चाह दर्ज है। चौसाला खसरा नम्बर 1190 रकबा 0-4-0 राजस्व अभिलेख में मंदिर के रूप में दर्ज है। प्रतिवादी 1, 2, 4 व 5 ने प्रकरण में अपनी स्वीकारोक्ति पेश की है। मंदिर मूर्ति नाबालिग है जिसके द्वारा अपने अधिकारों की रक्षा नहीं की जा सकती है। आराजी मुतनाजा पूर्व राजस्व अभिलेख में मंदिर के नाम दर्ज थी। बंदोबस्त विभाग को हाल राजस्व अभिलेख में पूर्व इन्द्राज को ही दोहराना था। किन्तु उनके द्वारा हाल राजस्व अभिलेख में उक्त आराजी को सिवायचक दर्ज कर दिया जो विधिक प्रावधान के प्रतिकूल है। वादग्रस्त सम्पदा मंदिर की है। उक्त सम्पदा मंदिर के नाम करने से प्रतिवादीगण के हितों पर कोई विपरित प्रभाव नहीं पड़ेगा। पत्रावली पर वाद के खण्डन हेतु कोई साक्ष्य व दस्तावेज पेश नहीं है जबकि वादीगण द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज से वाद के तथ्यों की ताईद होती है। हाल खसरा नम्बर 1783 रकबा 0.19 की किस्म रास्ता है जिस पर खातेदारी अधिकार दिया जाना न्यायोचित नहीं है। अतः शेष हाल खसरा नम्बर 1781 मिन रकबा 0.69, 1780 रकबा 0.01, 1782 रकबा 0.01, 1784 रकबा 0.20, 1825/7442 रकबा 0.01 पर वादी खातेदारी प्राप्ति के अधिकारी है।

उक्तानुसार ग्राम देराटू के हाल खसरा 1781 मिन रकबा 0.69, 1780 रकबा 0.01, 1782 रकबा 0.01, 1784 रकबा 0.20, 1825/7442 रकबा 0.01 की आराजी पर वादी का वाद "स्वीकार" किया जाता है। मंदिर श्री पारसनाथ जी मुन्द्रराजे जैन समाज को उक्त आराजी का खातेदार घोषित किया जाता है। तहसीलदार नसीराबाद उक्तानुसार राजस्व अभिलेख में अमल दरामद की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्चा डिकी जारी हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद

डिक्की व मुकदमें इकाई
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद

उनवान

मंदिर श्री पारसनाथ बनाम रामा

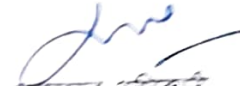
दावा बाबत - 88, 188, 92ए राज. का अधि० 1955 पृ 130 व 131 सू. गज. अधि. 1956

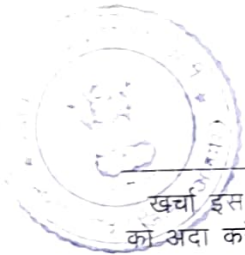
गजमन मुकदमा नम्बर - 143/2018

पेश करने की तिथि - 27/12/18

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिनाल कन्वर्टेड रुबक रमेश कुमार गुप्ता (अप. व. एम. एड. हाइड्रॉ) अभिभाषक सीताराम रावत मुददई, नरेन्द्र सिंह राटोड, आशीष अत्रमरा, राज० न्यायालय नसीराबाद, मुदायला पेश हो कर दिया जाता है व डिक्की दी जाती है कि -

ग्राम देराटू के हाल खसरा 1781 मिन रकबा 0.89, 1782 रकबा 0.01, 1782 रकबा 0.01, 1784 रकबा 0.20, 1825/7442 रकबा 0.01 की आराजी पर दादी का वाद "स्वीकार" किया जाता है। मंदिर श्री पारसनाथ जी मुन्दराजे जैन समाज का उक्त आराजी का खातेदार घोषित किया जाता है। तहसीलदार नसीराबाद उक्तानुसार कसम अभिलेख में अमल दरामद की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे।

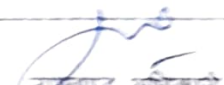

उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद



खर्चा इस मुकदमें में मय सूद व शरह तक _____ को सालाना आत्र की तरीख में यदि क्यूरी तक को अदा करे।

बअखत दस्तखत व मोहर अदालत के आज दिनांक 14 माह 03 सन 2022 का जारी की गयी

मुददई	मुदायला
स्टाम्प अरजी दावा	स्टाम्प दकालतनामा
स्टाम्प वकालतनामा	स्टाम्प अरजी
स्टाम्प वजह सबूत	मेहनताना वकील
मेहनताना वकील	खर्चा गवाहान
फीस कमिश्नर	फीस कमिश्नर
खर्चा गवाहान	बायत इजराय हुक्मनामा
वावत् इजराय हुक्मनामा	मुतफरिक
मुतफरिक	
मिजान	निरान


उपखण्ड अधिकारी
नसीराबाद